# पोलिकिट : एक महत्वपूर्ण समुद्रतलीय जीव

■ *अमर मुसले*

इस प्राणी जगत में हर एक जीव एक दूसरे के ऊपर निर्भर होते हैं । इनमे से एक भी जीव न होने संपूर्ण खाद्य श्रृंखला का संतुलन बिगड़ सकता है। दुनियाभर में मत्स्य सम्पदा का महत्व बहुत है, क्योंकि इससे प्राप्त प्रोटीन तथा अन्य पोषक तत्वों के कारण इसकी मांग लगातार बढती जा रही है, और इनके संरक्षण तथा वृद्धि के लिए समुद्रतलीय जीव पोलिकीट का संवर्धन करना जरूरी है।

पोलीकीट (चित्र 1. अ, ब) यह समुद्रतलीय क्षेत्र में पाया जानेवाला एक मुख्य समूह है। यह किंगडम अनिमालिया और अनिलीडा पर्ण में आता है। इसके अनेक पैर (chaeta) होते हैं। उनका शरीर अनेक भागों में विभाजित होता है, तथा सिर अनेक संवेदनशील अवयवों से बना होता है। जैसे कि आँखें, स्पर्शक (टेनटकल) मुंह आदि । उनके इस विशेष शारीरिक रचना की वजह से उन्हें 'पोलीकीट' कहा जाता है ।

चित्र 1 (अ) फ़ैमिली – प्रियोनौस्पिवो स्पे

बड़े जीव तथा पोलीकीट (>500µ) तलिय क्षेत्र में सर्वाधिक (80%) पाए जाने वाले जीव हैं। उनकी 10,000 से भी ज्यादा अलग-अलग प्रजातियाँ विभिन्न समुद्रों में खोजी जा चुकी है। पोलीकीट समुद्र के खाद्य श्रृंखला में प्रमुख तथा महत्वपूर्ण घटक माने जाते हैं।

**पोलीकीट का महत्व**

**1.खाद्य के स्रोत के रूप में :**

पोलीकीट आकार में छोटे होते हैं तथा स्वल्प जीवन अवधि के जीव होते हैं, लेकिन वे उच्च माध्यमिक उत्पादन में अहम भूमिका निभाते हैं। वे समुद्री खाद्य श्रृखंला में एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उच्च कैलोरी और अधिक प्रोटीन मात्रा के कारण, पोलीकीट वयस्क और डीम्भक दोनों प्रकार की मछलियों के मुख्य खाद्य है। मछली पकड़ने के चारे के रूप में भी इसका उपयोग किया जाता है।

**2. जैव निगरानी (Bio monitoring ) उपकरण के रूप में :**

समुद्री पर्यावरण में मौजूद विषाक्त पदार्थों और प्रदूषण के संकेत के रूप में इनका महत्व बढ रहा है। जैव निगरानी का प्राथमिक उद्देश्य इन्सानी गतिविधियों से होने वाले समुद्री प्रदूषण पर निगरानी रखना है। पोलीकीट को प्रदूषण संकेत के रूप में इस्तेमाल करनेवाले देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और जर्मनी जैसे देश शामिल है। उनकी कुछ प्रजातियां समुद्री जलीय तापमान के संकेत के रूप मे भी मह्त्वपूर्ण होती हैं। पोलीकीट की एक प्रजाति नेरीडीनीड डोरवीलीडी (Nereidaeabd Dorvilleidae) अवसाद में मौजूद विषाक्त पदार्थों मूल्यांक्न करने के लिए उपयुक्त है।

**3.कीटनाशक का उत्पादन :**

लुम्ब्रीनेरिस हिटरोपोडाइस (Lumbrineris Heteropodais ) नामक प्रजाति कीटनाशक के उत्पादन में बहुत उपयोगी है।यह कीटनाशक हानिकारक कीटकों की रोकथाम करता है, लेकिन वो मनुष्यों और घरेलु पशुं के लिए पुरी तरह से सुरक्षित है।

चित्र 1 (ब) फ़ैमिली – कोसुरिडी, कोसुरा स्पे

**4. प्रदूषण के रूप में :**

कुछ पोलिकिट प्रदूषण का फ़ैलाव करते हैं। यह ज्यादातर पानी में डूबी सतहों जेसे जहाजों के पतवार आदि पर दिखाई देते हैं। इनके कुछ उदाहरण हैं, सरपुलिडी, सायलिडी, स्पायरारबीडी आदि।

कुछ मानव निर्मित विनाशक रसायनों तथा बंदरगाहों में जहाजों के आने जाने के लिए निर्मित पथ (channel) में से मिट्टी एवं रेत के उत्खनन के कारण पोलिकीट एवं अन्य समुद्रतलीय जीवों के आवास पर बुरा असर पडता है।

पोलिकिट तथा समुद्रतलीय जीव के बारे में वैज्ञानिक स्तर पर जन जागरुकता लानी जरुरी है। हाल ही में पोलिकिट स्पे संशोधन में विश्व स्तर पर सुधार पाया गया है।यह एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से बहुत अच्छी बात है। उनकी क्षमता को जानने के लिए हर एक देश को अपने अपने देश में पाए जाने वाले पोलिकिट जीव के बारे में जानकारी रखना जरुरी है। तथा उनके फ़ैलाव क्षेत्र का अध्ययन करना भी जरुरी है।

परियोजना सहायक – II
राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान

## इंटरनेट पर उपलब्ध हिंदी की उपयोगी साइटें

भूमंडलीकरण की प्रक्रिया में दुनिया बहुत तेज़ी से सिकुड़ती और पास आती जा रही है। वैश्विक ग्राम की अवधारणा के पीछे सूचना क्रांति की शक्ति है। इस प्रक्रिया में इंटरनेट की भूमिका असंदिग्ध है । इस अत्याधुनिक संचार सुविधा ने मानव जीवन शैली में असाधारण रुप से क्रांति ला दी है । सूचना प्रौद्योगिकी के बदलते परिवेश में हिंदी स्वयं को इंटरनेट पर स्थापित करने की कोशिश कर रही है । इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए यहां कुछ हिंदी की उपयोगी साइट्स और उनके उपयोग की जानकारी दी जा रही है । आशा है यह सभी पाठकों के लिए यह जानकारी उपयोगी सिद्ध होगी ।

1. www.rajbhasha.nic.in
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की इस साइट पर राजभाषा हिंदी संबंधित नियम, अधिनियम, वार्षिक कार्यक्रम, तिमाही–छमाही रिपोर्ट के प्रारुप, वार्षिक विवरण, हिंदी सीखने के लिए लीला, प्रबोध पैकेज़ आदि महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध है ।

2. www.rajbhasha.nic.in
इस साइट पर राजभाषा हिंदी संबंधित नियम, साहित्य, व्याकरण, पत्रकारिता, तकनीकी सेवा, हिंदी संसार, पूज़ा अर्चना, हिंदी सीखें आदि संपर्क सूत्र उपलब्ध हैं ।

3. www.indialanguages.com
इस साइट पर हिंदी सहित सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं के लिए साहित्य समाचार–पत्र, ई–मेल, सर्च–ईंजन आदि महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध है ।

4. www.tdil.gov.in
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी की उपलब्धता हेतु इस साइट पर राजभाषा हिंदी संबंधित तकनीकी जानकारी, साफ्टवेयर, अनुसंधानरत संगठनों की जानकारी, भारत सरकार की योजना–भाषा–2010 उपलब्ध है । इस साइट की इलोक्ट्रोनिक पत्रिका विश्व भारत अत्यंत उपयोगी है ।

5. www.cdac.in
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने भारतीय भाषाओं के लिए इस साइट पर साफ्टवेयर, तकनीकी विकास संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की है । संस्थान के द्वारा भारतीय भाषाओं के कई प्रोग्राम विकसित किए गए हैं । लीला, मंत्रा, श्रुतलेखन आदि इसी संस्थान की देन हैं ।

6. www.shabdkosh.com
यह इंटरनेट पर सर्वाधिक प्रयुक्त की जाने वाली आनलाईन हिंदी का शब्दकोष है । इसमें शब्दों के विस्तृत अर्थों के साथ, उच्चारण एवं लिप्यंतरण की सुविधा भी है । वर्तमान में इसमें हिंदी के अतिरिक्त अन्य भारतीय भाषाओं को भी जोड़ दिया गया है । नई प्रविष्टियों के द्वारा यह नित अपने शब्दभंडार को समृद्ध कर रहा है । इसके अतिरिक्त गुगल अनुवाद के सेवा के तहत विस्तृत शब्दावली भी अतिसमृद्ध आनलाईन शब्दकोश है ।

7. भारतीय बेव सर्च इंजन :
www.searchindia.com
www.jadoo.com
www.raftaar.com
www.netjal.com
www.khoj.com
परंतु इन सभी सर्च इंजनों पर जाकर सर्च ना कर गुगल में युनिकोड़ फान्ट डालकर सर्च करना अधिक प्रभावी और व्यापक परिणामपरक होता है ।

8. www.bhashaindia.com
माईक्रोसाफ्ट की इस बेवसाईट में इंडिक भाषा कंप्युटिंग हेतु फान्ट्स, की–बोर्ड आदि उपलब्द कराए गए हैं ।

9. www.kavitakosh.org
हिन्दी, उर्दू और हिन्दी में अनूदित काव्य का इस जालस्थल पर विशाल संकलन किया गया है । यह एक खुली परियोजना है जिसके विकास में कोई भी भाग ले सकता है । इसमें अबतक 28,604 पन्नों का संकलन किया जा चुका है । भारतेंदु से लेकर आधुनिक कवियों की कविताओं एक साइट पर उपलब्ध होना एक सुखद अनुभव है ।

10. www.cstt.nic.in
वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार द्वारा इस साइट पर प्रशासनिक शब्दकोश सहित अनेक विषयों के तकनीकी शब्दकोश प्रस्तुत किए गए हैं । हिंदी, अंग्रेज़ी के लिए उपलब्ध शब्दकोश कार्यालयों के लिए उपयोगी हैं ।

11. www.ciil.org
केंद्रीय भाषा संस्थान, भारत सरकार ने सभी भारतीय भाषाओं के विकास के लिए इस साइट का निर्माण किया है । सभी भारतीय भाषाओं में पारस्परिक आदान–प्रदान बढ़ाने के लिए यह संस्थान विशेष कार्य कर रहा है ।

12. www.hindibhasha.com
इस साइट पर हिंदी सीखने के लिए सरल पाठ उपलब्ध कराया गया है । देवनागरी लिपि के स्वर तथा व्यंजनों के उच्चारण के साथ परिचय कराया गया है ।

13. www.bbchindi.com
देश दुनिया के समाचारों तथा ज्ञान–विज्ञान की नवीनत्तम जानकारी उपलब्ध कराने वाली इस साइट को हिंदी की अन्य साइट्स के मुकाबले सर्वाधिक हिट्स मिलते हैं । इसके द्वारा चलाया जा रहा ब्लाग/फोरम भी आज़कल काफ़ी लोकप्रिय हो रहा है । हिंदी विश्वकोश अब इंटरनेट पर हिंदी का विश्वकोश (इनसायक्लोपीड़िया) अब इंटरनेट पर उपलब्ध होगा । हिंदी की सुप्रसिद्ध संस्था नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित यह विश्वकोश छह हज़ार पेज़ों का है तथा इसमें ज्ञान–विज्ञान के आठ हजार विषयों पर प्रामाणिक जानकारी संकलित की जाएगी । केंद्रीय हिंदी संस्थान (आगरा) इस विश्वकोश को इंटरनेट पर उपलब्ध कराने जा रहा है । इसके द्वारा विश्व भर में फैले हिंदीभाषियों को विज्ञान, कला, दर्शन, इतिहास, साहित्य आदि विषयों पर अपेक्षित जानकारी तुरंत उपलब्ध हो जाएगी ।